हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025

9 कला उत्सव में दिखी पड़ोसी राज्यों की कला व संस्कृति

10 जॉब सुरक्षा एक्ट की मांग को लेकर विधायक को...

खबर संक्षेप

मनसरबास में भंडारा तथा सत्संग कल

तोशाम। मनसरबास में बाबा चांदीगिरी का भंडारा तथा सत्संग 12 अक्टूबर रविवार को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए गांव के सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप क़ानूनगो ने बताया कि हर वर्ष कि तरह अबकी बार भी बाबा चाँदीगिरि का भंडारा और सत्संग का आयोजन 12 अक्टूबर रविवार को किया जा रहा हैं जिसमे देश-प्रदेश के विख्यात भजन गायक विकास पाहसोरिया और अन्य भजन गायक अपनी मधुर वाणी से बाबा का गुणगान करेंगे।

पटाखों की बिक्री और फोड़ने पर प्रतिबंध

चरखी दादरी। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों तथा हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए जिल में पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री व फोड़ने पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में जिलाधीश डॉ. मुनीश नागपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह निर्णय जनस्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक सुरक्षा की दृष्टि से लिया गया है।

लोहारू में 87वें दिन भी धरना जारी

लोहारू। संयुक्त किसान मोर्चे द्वारा उपमंडल कार्यालय लोहारू में संचालित अनिश्चितकालीन महापड़ाव 87वें दिन भी जारी रहा। शुक्रवार को किसान नेता कप्तान इंद्राज दमकोरा ने कहा कि 87 दिन से किसान धरने पर बैठे और सरकार उनकी कोई सुध नही ले रही है। सरकार किसानों के सब्र का इम्तिहान ले रही है।

फसल रजिस्ट्रेशन के बिना नहीं मिलेगी खाद

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कृषि अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए खाद की कालाबाजारी रोकने, खाद वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए सक्रियता के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि सरकार ने खाद वितरण प्रणाली को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल से जोड़ दिया गया है, अब बिना मेरी फसल मेरा ब्यौरा पंजीकरण के यूरिया, डीएपी, टीएसपी, एसएसपी, एमओपी, एनपीके आदि नहीं मिलेगी।

कैलाश बने धर्म सेना खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

चरखी दादरी। धर्म सेना ने खेलों के प्रति समर्पण और उत्कृष्ट सामाजिक योगदान को देखते हुए कैलाश गिल को संगठन के खेल प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और युवाओं को खेलों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रदेशाध्यक्ष चांदराम सुई ने कैलाश को नियुक्ति पत्र सौंपा । कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि कैलाश गिल अपने पद की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे।

किसानों की समस्याओं को उच्चाधिकारियों तक भेजा जाएगा : जयबीर सिंह

पानी निकासी को लेकर ग्रामीणों में रोष, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

तहसीलदार की अनुपस्थिति में ज्ञापन रीडर रूपेन्द्र को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी/बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। तहसील कार्यालय मे ज्ञापन सौंपते हुए किसान व हलके के अनेक गांवों के खेतों में जमा बारिश का पानी। *फोटो: हरिभूमि*

वैसे तो भिवानी जिले के अनेक गांवों में बारिश का पानी जमा होने से किसानों की फसलें पूरी तरह से तबाह हो गई है। सबसे ज्यादा इसका असर बवानीखेड़ा हलके के गांवों में देखने को मिल रहा है। बवानीखेड़ा हलके के करीब दो दर्जन गांवों में अभी भी हजारों एकड़ भूमि जलमग्न है। जिस वजह से खरीफ फसल तो पूरी तरह से खतम हो चुकी है और अब रबी फसल की बिजाई होना की संभावना भी न के बराबर बची है। जिसके चलते किसानों के माथे पर चिंता की लकिरें साफ झलक रही है। वहीं गांव जमालपुर में हुए जलभराव व समस्या के समाधान न होने को लेकर किसानों ने एकजुट होकर तहसील कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। तहसीलदार की अनुपस्थिति में ज्ञापन रीडर रूपेन्द्र को सौंपा गया। ज्ञापन चेयरमैन शीला गिल की उपस्थिति में किसानों में भूप सिंह, अनिल, रामचन्द्र, विरेन्द्र, दर्शन, संजय, स्कीम, रामफल, धर्मबीर सिंह, धर्मेन्द्र, राजेश, मांगेराम आदि ने ज्ञापन में बताया कि जमालपुर के हांसी-तोशाम मार्ग के दोनों तरफ लगभग एक हजार एकड़ से ज्यादा भूमि में लगभग 3 से 4 फुट तक पानी जमा है जिसके कारण किसानों की खरीफ की फसल नष्ट हो गई है व जलभराव के कारण हांसी-तोशाम रोड़ बंद है।

क्या कहते है अधिकारी

इस बारे में तहसीलदार जयबीर सिंह ने बताया कि किसानों के ज्ञापन को उपायुक्त को भेजा जाएगा ताकि किसानों की समस्या का समाधान हो सके।

तेज अंधेड़ ने किसानों के अरमानों पर फेरा पानी

बवानीखेड़ा। गांव मुंढाल में आए तेज आंधी-तूफान ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया वहीं दूसरी ओर किसानों ने अपनी फसलों के लिए खेतों में फसलों की सिंचाई के लिए प्रयोग किए गए नलकूपों के लिए लगाए गए सौर ऊर्जा की प्लेट उखाड़ कर दूर-दूर तक फेंक दिए। वहीं दूसरी ओर तेज हवा नहीं उग्र रूप धारण कर लिया जिसके चलते किसानों को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। जानकारी अनुसार दो दिन पूर्व पश्चिमी विश्व के कारण अचानक क्षेत्र में आई बरसात के साथ तेज हवा ने तूफान का रूप ले लिया तथा जिसके चलते किसानों ने अपनी फसलों में सिंचाई करने के लिए नलकूपों के लिए लगाई गई सौर ऊर्जा की प्लेट जिनको हवा ने नहीं बक्शा तथा उन्हें उखाड़ कर बहुत दूर-दूर तक फेंक दिया जिसके चलते किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

भाकियू ने किसानों की मांग संसद में उठाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपा

बाढड़ा। भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष हरपाल भांडवा की अध्यक्षता में किसानों ने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला को ज्ञापन देकर किसानों की मांगों को राज्य सभा में उठाने की मांग की। किसानों ने बतायाकि कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला को ज्ञापन देकर मांग की है कि प्रदेश सरकार बाजरा कि खरीद करे या किसानो को मुआवजा दे। खरीफ फसल बीमा कंपनी व अधिकारियों द्वारा मिली भगत करके मुआवजा राशि का गोलमाल किया गया की जांच करवाई जाए, किसानों को मुआवजा दिया जाए। 2024 में दो बार ओलावृष्टि से क्षेत्र के 12 गांव में पूरी तरह फसल खराब हो गई थी जिसमें , पांच प्रतिशत किसानों को मुआवजा दिया गया 95 प्रतिशत किसानों का खराबा शुन्य 0 से 24 प्रतिशत कर दिया गया। जिनको किसानों को मुआवजा राशि से वंचित रखा गया है उन्हे मुआवजा दिया जाए।

भिवानी। मांगों को लेकर तहसीलदार को मांगपत्र सौंपते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

कई संगठनों के सदस्यों ने सौंपा मांगपत्र

मांगों को लेकर जाग्रति मोर्चा का विरोध-प्रदर्शन

■ वाई एस पूरण की मौत मामले की निष्पक्ष जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा जागृति मोर्चा की अगुवाई में अनेक सामाजिक संगठन के सदस्यों ने मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकना व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वाई एस पूर्ण की मौत मामले की किसी उच्च एजेंसी से जांच कराए जाने की मांग की। साथ ही इस मामले के आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए जाने की मांग की। इस दौरान मोर्चा के सदस्यों को तहसीलदार के माध्यम से राज्यपाल व राष्ट्रपति को मांगपत्र सौंपा। म भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने की घटना की कड़ी निंदा करता है और मांग करता है कि संबंधित वकील, जो सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में पंजीकृत है।और जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है, के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए।

वाई एस पूरण की मौत लोकतंत्र पर प्रहार

दूसरी तरफ पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक वाईएस पूर्ण ने कुछ लोगों के दबाव में आकर अपनी जीवन लीला खतम कर ली। उनके इस कदम से पूरा परिवार बेहद परेशान है,जबकि अभी तक जिन लोगों की वजह से यह कदम उठाया है। वे खुलेआम घुम रहे है। सरकार के इस तरह के रवैये से अपराधिक प्रवृति के लोगों के हौसले बढते है। जिन लोगों ने दिवंगत पर मानसिक आद्यात लगा और उन्होंने इस तरह का कदम उठाया। यह लोकतंत्र पर कड़ा प्रहार है। इस तरह के मामले से यह साबित हो गया कि दोनों मामलों में जातिवादी की बू आ रही है।मुख्य न्यायाधीश गवई पर खुली अदालत में जूता फेंका गया और साथ ही सनातन धर्म के समर्थन में नारे भी लगाए गए। इस मौके पर सुरेश, अधिवक्ता संदीप नोटरी पब्लिक, दिनेश चौहान, रामनिवास गौरिया, राजेश नायक, सोमबीर वाल्मीकि, सुनीता गाड़िया लोहार, सावन, कर्ण सिंह नम्बरदार, पार्षद अजय वाल्मीकि आदि मौजूद थे।

काफी दिनों से चल रहा था जमीनी विवाद

भतीजे ने चाची को उतारा मौत के घात, चाचा गंभीर

■ जमीन को लेकर अपने ही बने जान के दुश्मन

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

तोशाम क्षेत्र के गांव ईशरवाल के एक परिवार के बीच जमीनी विवाद में रिश्ते तार-तार हो गए। जिसको लेकर भतीजो तथा उनके पारिवारिक सदस्यों ने अपनी चाची तथा चाचा पर गुरुवार देर रात्रि तेज धारदार हथियारों सहित लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया जिसमें करीबन 48 वर्षीय महिला सुनीता की मौके पर मौत हो गई वहीं मृतक महिला सुनीता का पति दलबीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया जो कि अस्पताल में उपचाराधीन है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक महिला सुनीता के भाई कैलाश ने बताया कि उसके जीजा दलवीर के भाई के लड़कों के साथ कई महीने पहले जमीनी विवाद था इसी रंजिश के चलते हत्या कर दी।

पोस्टमार्टम के लिए लाया गया शव।

लाठी-डंडों से हमला

जिसमें दलबीर गंभीर रूप से घायल हो गया जो हिसार के एक अस्पताल में उपचाराधीन है वहीं महिला सुनीता की मौके पर ही मौत हो गई। कैलाश ने बताया कि यह हमला तेज धारदार हथियारों सहित लाठी-डंडों से किया गया तथा हमला कितना भयंकर था कि हमले के तुरंत बाद दलवीर तथा सुनीता लहूलुहान हो गए तत्पश्चात सुनीता ने तो मौके पर ही दम तोड़ दिया वहीं गंभीर रूप से घायल हुए दलवीर को आनन-फानन में तोशाम के अस्पताल में लाया गया जहां चिकित्सकों ने दलवीर की गंभीर हालत देखते हुए हिसार रेफर कर दिया। जिससे दलवीर हिसार के एक अस्पताल में उपचाराधीन है।

शिकायतों का समाधान कर रिपोर्ट दें: एडीसी

भिवानी। एडीसी दीपक बाबू लाल करवा की अध्यक्षता में लघु सचिवालय परिसर स्थित कॉंफ्रेंस हाल में समाधान शिविरों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में एडीसी करवा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे समस्या का समाधान कर एटीआर को अपलोड करते समय विवरण स्पष्ट लिखें ताकि मुख्यालय से रिओपन ना हो। एडीसी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविरों की समीक्षा करते हैं। समाधान शिविरों का उद्देश्य नागरिकों की समस्याएं जानना और उनका जल्द से जल्द समाधान करना है। ऐसे करने वाले अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा है कि वे आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समाधान कर उसकी एटीआर स्वयं पोर्टल पर स्पष्ट रूप से अपडेट करें।

■ समाधान शिविर समीक्षा बैठक में एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने विभागाध्यक्षों को लंबित शिकायतों का शीघ्र समाधान करने के दिए निर्देश

शिक्षा विभाग ने हरेक स्कूल में मूवमेंट रजिस्टर लगाने के दिए निर्देश

मूवमेंट रजिस्टर रखेगें शिक्षकों की हर गतिविधि पर नजर

प्रत्येक अधिकारी को एक माह में कम से कम 15 स्कूलों के मूवमेंट रजिस्टरों जांच करनी होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

अब शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की हर गतिविधि पर नकले कसनी आरंभ कर दी है। देरी से आने तथा बाहर भीतर जाने वाले सरकारी स्कूलों के शिक्षक व गैर शिक्षकों को अब अपनी हर गतिविधि को मूवमेंट रजिस्टर में दर्ज करानी होगी। उक्त रजिस्टर में बाहर जाने वाले हर शिक्षक का बारिकी से ब्यौरा दर्ज किया जाएगा। साथ ही इस व्यवस्था को सिरे तक चढाने के लिए शिक्षा विभाग ने अधिकारियों की भी जिम्मेदारी फिक्स कर दी है। प्रत्येक अधिकारी को एक माह में कम से कम 15 स्कूलों के मूवमेंट रजिस्टरों जांच करनी होगी और उसकी रिपोर्ट विभाग के आला अधिकारी के पास भेजनी होगी। मूवमेंट रजिस्टर में कर्मचारी या शिक्षक का नाम, पद, विद्यालय छोड़ने का उद्देश्य, गंत्तव्य स्थान का नाम, प्रस्थान करने का समय, लौटने का समय , संबंधित कर्मचारी के हस्ताक्षर तथा स्कूल मुखिया की टिप्पणी तथा आला अधिकारी के हस्ताक्षर करवाया जान निहायत जरूरी होगा।

स्कूल के भवन का दृश्य।

नकेल कसने की तैयारी में विभाग

बताते है कि विगत में शिक्षा तकनीकी शिक्षा,व्यासायिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित विधानसभा में गठित विषय समिति की दसवीं रिपोर्ट को बजट अधिवेशन के दौरान प्रस्तुत की गई थी,जिसमें स्कूलों में बायोमेटिक मशीन के आऊट आफ आर्डर होने की कही गई थी। जिसके बाद यह फैसला लिया गया था कि स्कूलों में मूवमेंट रजिस्टर लागू करवाया जाए। चूंकि स्कूलों में अब बायोमेटीक मशीन नहीं चल पा रही है। जिस वजह से यह सुनिश्चित हो पा रहा है कि स्कूल में निर्धारित समय पर कितने शिक्षक पहुंचे है और कितने देरी से। अगर मूवमेंट रजिस्टर लागू करवा दिया जाए जो शिक्षकों की इस तरह की गतिविधियों पर लगाम कसी जा सकेगी।

पिस्सू अपने शरीर की लंबाई से 350 गुना तक छलांग लगा सकते हैं।

यंगभूमि

मगरमच्छ अपनी जीभ बाहर नहीं निकाल सकते।

पोस्ट अधिकारी बनकर भी चमका सकते हैं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

हर गांव में एक पोस्ट ऑफिस मुख्य रूप से उपलब्ध होता है। कई ऐसे छोटे गांव है, जहां पर डाकघर नहीं होगा लेकिन हर एक पंचायत में एक डाकघर अवश्य है। पोस्ट ऑफिस में अलग-अलग पदों पर पोस्ट अधिकारी काम करते हैं। पोस्ट वितरित करने वाले डाकिए से लेकर ब्रांच मैनेजर तक पोस्ट ऑफिसर अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। जब हम अपने आसपास किसी भी पोस्ट ऑफिसर को देखते हैं तो हमारे मन में भी ख्याल आता है, कि पोस्ट ऑफिसर कैसे बन सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पोस्ट ऑफिसर कैसे बनें। इसके बारे में डिटेल में जानकारी देने का प्रयास करेंगे।

पोस्ट अधिकारी

भारतीय पोस्ट यानी कि इंडियन डाक डिपार्टमेंट में काम करने वाला हर एक कर्मचारी पोस्ट ऑफिसर कहलाता है। डाक वितरित करने वाले अधिकारी को भी पोस्ट ऑफिसर के नाम से कहा जाता है। हालांकि सामान्य भाषा में डाकिया भी कहते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए विद्यार्थी कौन-कौन से काम करके पोस्ट ऑफिसर बन सकता है। इसकी जानकारी हम आपको इस आर्टिकल के जरिए देने का पूरा प्रयास करेंगे।

ये चाहिए जरूरी दस्तावेज

सरकार के द्वारा रिक्त पदों के आधार पर नियमित रूप से पोस्ट ऑफिस पर पद पर अलग-अलग भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में आप अपना आवेदन लगाकर पोस्ट ऑफिसर बन सकते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी दस्तावेज नीचे कुछ इस प्रकार से दिए गए हैं:

- आवेदक का आधार कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
- बैंक पासबुक
- मूल निवास प्रमाण पत्र
- ग्रेजुएशन का सर्टिफिकेट
- कंप्यूटर डिप्लोमा का सर्टिफिकेट

जॉब के लिए योग्यता

जो उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर बनना चाहते हैं। उन उम्मीदवारों को कई तरह की योग्यता का मुख्य रुप से ध्यान रखना होता है। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- पोस्ट ऑफिसर बनने वाले सभी कर्मचारियों को सबसे पहले भारत की नागरिकता का मापदंड पूरा करना होगा। जो कर्मचारी भारत के नागरिक है। उनको पोस्ट ऑफिसर बनने का मौका मिलेगा।
- पोस्ट ऑफिस पद पर निकलने वाली भर्ती के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारी की उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है।
- आवेदक मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ होना जरूरी है।
- आवेदक को कंप्यूटर का बेहतरीन नॉलेज होना चाहिए और कंप्यूटर के बेहतरीन नॉलेज के साथ-साथ एमएससीआईटी और सीसीसी कोर्स करना आवश्यक है।
- आवेदक के पास न्यूनतम ग्रेजुएशन डिग्री होना जरूरी है ग्रेजुएशन डिग्री के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर के लिए अपना आवेदन लगा पाएंगे।
- उम्मीदवार का किसी भी तरह से क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए हालांकि यह पुलिस वेरीफिकेशन सर्टिफिकेट जो क्रिमिनल रिकॉर्ड ना होने का दावा करता है। यह आपके लिखित परीक्षा में पास होने के बाद पूछा जाने वाला एक दस्तावेज है।

ये प्रोसेस अपनाएं

पोस्ट ऑफिसर बनने का सपना देखने वाले कर्मचारियों को कई तरह से तैयारी करनी होती है। सर्वप्रथम कर्मचारियों को पहले ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करनी होगी। ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर बनने के योग्य होते हैं।

पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार को सबसे पहले 12वीं कक्षा पास करने के बाद किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करनी होगी। विद्यार्थी को किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री अच्छे अंकों के साथ बात करनी है। क्योंकि विद्यार्थी के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम योग्यता के तौर पर पोस्ट ऑफिसर के लिए मानी जाती है। हालांकि पुराने जमाने में डाकिया बनने के लिए कोई भी ग्रेजुएशन डिग्री की जरूरत नहीं होती थी। लेकिन वर्तमान में नए मापदंड के आधार पर डाकिया बनने के लिए भी आपको ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ ही आप आवेदन लगा सकेंगे।

परीक्षा और इंटरव्यू : डाक भर्ती का लिखित पेपर पास करने के पश्चात कुछ विशेष पदों के लिए इंटरव्यू का आयोजन भी किया जाता है। इंटरव्यू प्रक्रिया के बाद में फाइनल मेरिट लिस्ट की घोषणा होती है और उसके आधार पर आप को चयनित कर के दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाता है। पोस्ट ऑफिस तक पद पर काम करने वाले उम्मीदवार को शुरुआत में बेसिक सैलरी 20000 से लेकर 38000 तक प्रदान करवाई जाती है।

भर्ती में आवेदन करें

जब विद्यार्थी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल कर देता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी को पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए सरकार के द्वारा नियमित रूप से रिक्त पदों के अनुसार भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में अपना आवेदन लगा कर भर्ती की परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

भर्ती परीक्षा की तैयारी करें

जब उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर पद के लिए निकाली जाने वाली भर्ती में अपना आवेदन लगा देता है तो उसके पश्चात उस विद्यार्थी को परीक्षा के सिलेबस को समझते हुए और एग्जाम पैटर्न को समझते हुए बेहतरीन तैयारी करनी चाहिए। क्योंकि वर्तमान में हर पद के लिए बहुत ही ज्यादा कंपटीशन भारत में है। सरकारी नौकरी को लेकर चपरासी पद के लिए भी जबरदस्त कंपटीशन वर्तमान समय में देखने को मिलता है। ऐसे में आपको नियमित पांच से 6 घंटे तक पढ़ाई करते हुए पोस्ट ऑफिसर भर्ती परीक्षा के सिलेबस को पूरा पढ़ना चाहिए और उसके बाद पोस्ट ऑफिस परीक्षा के एग्जाम को क्लियर करना है।

विद्यार्थियों को नेतृत्व कौशल की गहरी समझ प्रदान करता

बीबीए के बाद करियर विकल्प : कॉर्पोरेट और सरकारी जगत में सुनहरे अवसर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) तीन वर्षीय स्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को प्रबंधन विज्ञान, व्यवसाय रणनीति और नेतृत्व कौशल की गहरी समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः मार्केटिंग, फाइनेंस, अकाउंटिंग, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, ऑपरेशन्स, बिजनेस इकोनॉमिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन, आंत्रप्रेन्योरशिप और बिजनेस लॉ जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन में अत्यधिक महत्व है,मार्केटिंग किसी भी कंपनी की ब्रांड छवि और बिक्री बढ़ाने का प्रमुख स्तंभ है, फाइनेंस और अकाउंटिंग संस्थान की आर्थिक रीढ़ हैं, एचआर प्रबंधन संगठन की कार्यकुशलता और टीम भावना को मजबूत करता है, जबकि बिजनेस लॉ और स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट संस्थान को कानूनी, नैतिक और प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टि से सक्षम बनाते हैं। इस प्रकार बीबीए न केवल छात्रों को कॉर्पोरेट जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करता है, बल्कि उन्हें समस्या समाधान, निर्णय क्षमता, नेतृत्व और टीमवर्क जैसी प्रायोगिक कौशलों से भी सुसज्जित करता है। नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी. 2020) के अनुसार अब विद्यार्थी बीबीए को तीन वर्षों में सामान्य स्नातक डिग्री के रूप में या चार वर्षों में बीबीए ऑनर्स के रूप में भी पूरा कर सकते हैं।

तीन वर्षीय स्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रम

विशेषज्ञता चुनी जा सकती

बीबीए/ऑनर्स में विषय-गहनता के साथ विशेषज्ञता चुनी जा सकती है। निम्नलिखित प्रमुख विशेषज्ञताएं इस प्रकार हैं।
विपणन (मार्केटिंग) वित्त लेखा
मानव संसाधन प्रबंधन । परिचालन/संचालन
व्यवसाय विश्लेषिकी (बिजनेस एनालिटिक्स)
अंतरराष्ट्रीय व्यापार, उद्यमिता, आपूर्ति श्रृंखला व लॉजिस्टिक्स, खुदरा प्रबंधन, बैंकिंग और बीमा
डिजिटल मार्केटिंग, पर्यटन व आतिथ्य प्रबंधन
इन विशेषज्ञताओं का प्रत्यक्ष उपयोग बिक्री-वृद्धि, लाभप्रदता, लागत-नियंत्रण, प्रतिभा-प्रबंधन, डेटा-व्याख्या, वैश्विक विस्तार और ग्राहक-अनुभव को बेहतर बनाने में होता है।

इंडस्ट्री स्किल्स की भूमिका

सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि कार्यान्वयन-योग्य कौशल ही करियर को तीव्र गति देते हैं,यही आज के उद्योग मानक हैं। निम्नलिखित आवश्यक कौशल इस प्रकार हैं। प्रभावशाली लिखित/मौखिक संचार व प्रस्तुतीकरण, उन्नत स्प्रेडशीट/एमआईएस, मूल वित्तीय विश्लेषण, बजट/पूर्वानुमान, सीआरएम/ईआरपी जैसे व्यावसायिक उपकरणों की समझ, डेटा-आधारित सोच, व्यवसाय विश्लेषण की बुनियाद, बिक्री-वार्ता, ग्राहक-सम्बंध प्रबंधन, सेवा-उत्कृष्टता, परियोजना-प्रबंधन, समय-प्रबंधन, टीमवर्क व नेतृत्व, इंटर्नशिप/ लाइव-प्रोजेक्ट/ उद्योग-प्रमाणन, (गूगल/ मेटा/ टैली/ एक्सेल आदि)

उच्च अध्ययन के विकल्प

उच्च शिक्षा नेतृत्व-स्तरीय प्रगति, वैश्विक मानकों की विशेषज्ञता और करियर-गतिशीलता को गति देती है,बीबीए के बाद सही कार्यक्रम चुनना करियर-वृद्धि का गुणक सिद्ध होता है।

निम्नलिखित प्रमुख उच्च अध्ययन विकल्प इस प्रकार हैं। एम.बी.ए. (विपणन/वित्त/मानव, संसाधन/ संचालन/ व्यवसाय, विश्लेषिकी/ अंतरराष्ट्रीय व्यापार/उद्यमिता) पी.जी.डी.एम. (उद्योग-उन्मुख प्रबंधन), एम.कॉम. (लेखा/वित्त में गहनता), विधि स्नातक (एल.एल.बी.) – कॉर्पोरेट/ व्यापार कानून, व्यवसाय विश्लेषिकी/डेटा विज्ञान में पी.जी. कार्यक्रम, मानव संसाधन प्रबंधन (एम.एच.आर.एम.), अंतरराष्ट्रीय व्यापार (एम.आई.बी.), हॉस्पिटैलिटी/ टूरिज़्म प्रबंधन सीए/ सीएस/ सीएमए जैसी व्यावसायिक योग्यताएं (पात्रता के अनुसार), लोक नीति/ विकास प्रबंधन/ सार्वजनिक प्रशासन में स्नातकोत्तर।

ले सकते हैं सलाह

- बीबीए कॉर्पोरेट नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता और उद्यमशीलता की स्वर्ण-डोरी है,सही विशेषज्ञता, ठोस कौशल और अनुशासित निष्पादन के साथ आप उच्च-विकास निजी भूमिकाएँ, स्थिर एवं सम्मानजनक सरकारी सेवाएं और विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा,तीनों मार्गों पर तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।
- **सुझाव:** किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह जरूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप **www.career-jaano.com**पर भी विजिट कर सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

कॉर्पोरेट जगत उच्च-प्रभाव, परिणाम-उन्मुख और ग्राहक-केंद्रित पेशेवरों की तलाश में है,बीबीए स्नातक ठीक इसी मांग को पूरा करते हैं। वे ब्रांड-वृद्धि, राजस्व-त्वरण, लागत-दक्षता और संचालन-उत्कृष्टता के माध्यम से संस्थान को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाते हैं।

निम्नलिखित "विशेषज्ञता-आधारित" भूमिकाएं इस प्रकार हैं।
1) विपणन/ डिजिटल/ खुदरा विपणन कार्यकारी, ब्रांड/ कैम्पेन सहायक, डिजिटल मार्केटिंग प्रशिक्षु एसईओ/ सोशल मीडिया समन्वयक, सीआरएम कार्यकारी, माल-विक्रय योजनाकर्ता।
2) वित्त/ लेखा/ बैंकिंग-बीमा वित्तीय विश्लेषक प्रशिक्षु, लेखा सहायक, जीएसटी/कर सहायक ऋण-प्रसंस्करण/क्रेडिट समन्वयक, जोखिम-विश्लेषण सहायक, बीमा-अंडरराइटिंग सहायक
3) मानव संसाधन (एचआर) एचआर सहायक, भर्ती समन्वयक, पेरोल/कम्प्लायंस सपोर्ट प्रशिक्षण व विकास समन्वयक, कर्मचारी-संबंध कार्यकारी
4) संचालन/आपूर्ति श्रृंखला/ लॉजिस्टिक्स संचालन सहायक, गुणवत्ता आश्वासन सहायक, क्रय/ प्रोक्योरमेंट सहायक सप्लाई-चेन समन्वयक, इन्वेंट्री/ वितरण योजनाकर्ता
5) व्यवसाय विश्लेषिकी/ एमआईएस एमआईएस कार्यकारी, व्यवसाय विश्लेषण सहायक, रिपोर्टिंग/ डैशबोर्ड समन्वयक
विशेषज्ञता से स्वतंत्र "सामान्य" विकल्प (किसी भी बीबीए स्नातक हेतु) इस प्रकार हैं, ग्राहक सेवा कार्यकारी, इनसाइड-सेल्स/ एसडीआर, प्रशासनिक सहायक ई-कॉमर्स संचालन सहायक, प्रोजेक्ट समन्वयक कंटेंट/ कम्युनिकेशन समन्वयक, उद्यमिता/ स्टार्टअप समन्वयक।

आय-सीमा (निजी क्षेत्र)

- **फ्रेशर:** लगभग 3.0–5.5 लाख वार्षिक (स्थान/ क्षेत्र/ कंपनी पर निर्भर)
- अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग 8–22 लाख वार्षिक; उच्च-विकास भूमिकाओं/एमएनसी/एमबीए पश्चात 25–30 लाख+ सम्भव

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

सरकारी सेवाएं स्थायित्व, सामाजिक प्रतिष्ठा और दीर्घकालिक सुरक्षा का समन्वय हैं। बीबीए पृष्ठभूमि के छात्र प्रशासनिक दक्षता, वित्तीय अनुशासन और संचालन-समझ के कारण अनेक प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सशक्त दावेदारी रखते हैं।
निम्नलिखित प्रमुख परीक्षाएं/ विकल्प इस प्रकार हैं,
1) बैंकिंग व बीमा : एसबीआई/ आईबीपीएस पीओ व क्लर्क, आरआरबी ऑफिस असिस्टेंट एलआईसी/अन्य सरकारी बीमा उपक्रम,असिस्टेंट/प्रशासनिक अधिकारी
2) कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) : सीजीएल के अन्तर्गतः सहायक लेखा अधिकारी, आयकर सहायक, निरीक्षक/लेखीरीक्षण सहायक सीएचएसएल/अन्य स्नातक पदः डाक/कार्यालय सहायक, डेटा प्रविष्टि इत्यादि
3) संघ व राज्य लोक सेवा आयोग : सिविल सेवाएं (आईएएस, आईपीएस, आईआरएस आदि), राज्य प्रशासनिक/वाणिज्यिक कर सेवाएं
4) रेलवे/ पीएसयू/ अन्य बोर्डः रेलवे एनटीपीसी/कार्यालय सुपरिंटेंडेंट, सार्वजनिक उपक्रमों में प्रशासनिक/वाणिज्यिक पद एफसीआई, ईएसआईसी, ईपीएफओ जैसे संगठनों में उपयुक्त स्नातक पद
5) रक्षा सेवाए : सीडीएस/ एएफसीएटी के माध्यम से अधिकारी प्रशिक्षण,नेतृत्व व राष्ट्र-सेवा का गौरवपूर्ण मार्ग लेफ्टिनेंट, आर्मी एजुकेशन कोर अफसर, अकाउंट अफसर एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर लोजिस्टिक्स सप्लाई अफसर टेरीटोरियल आर्मी अफसर

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

प्रेशरः लगभग 3.5–7.5 लाख वार्षिक (आम तौर पर पे-लेवल 5–7)
अनुभवी/वरिष्ठः लगभग 9–20 लाख वार्षिक; उच्च सेवाओं/उच्च ग्रेड-पे में इससे अधिक, साथ में भत्ते/सुविधाएं

स्क्रीन टाइम कम करें, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन को समृद्ध बनाएं

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज का युग डिजिटल क्रांति का है, लेकिन स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और स्क्रीन की चमक में खोकर हम अपने मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और जीवन के अनमोल पलों को नजरअंदाज कर रहे हैं। खासकर छात्रों के लिए, जो अपने भविष्य की नींव रख रहे हैं, स्क्रीन टाइम को सीमित करना और समय को योग, एकाग्रता, नए कौशल, और परिवार के साथ बिताना न केवल मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि जीवन को भी समृद्ध करता है। यह लेख हिंदी में छात्रों को प्रेरित करता है कि वे स्क्रीन की लत से बाहर निकलें और अपने मानसिक स्वास्थ्य व आत्म-विकास पर ध्यान दें। अत्यधिक स्क्रीन टाइम न केवल हमारी आँखों और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डालता है।

तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ाता

सोशल मीडिया पर तुलना, साइबरबुलिंग, और लगातार ऑनलाइन बने रहने का दबाव छात्रों में तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ाता है। इसके साथ ही, स्क्रीन की नीली रोशनी नींद को प्रभावित करती है, जिससे एकाग्रता और उत्पादकता कम होती है। लेकिन अगर आप इस समय को नियंत्रित करें, तो आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

स्क्रीन टाइम से होने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याए

तनाव और चिंता: परीक्षा का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ, और सोशल मीडिया पर दूसरों से तुलना छात्रों में चिंता को बढ़ाती है। स्क्रीन टाइम इस तनाव को और गहरा करता है।
अवसाद: लगातार स्क्रीन पर समय बिताने से अकेलापन और आत्मसम्मान में कमी आती है, जो अवसाद का कारण बन सकता है।
एकाग्रता में कमी: लगातार नोटिफिकेशन्स और मल्टीटास्किंग के कारण पढ़ाई में ध्यान लगाना मुश्किल हो जाता है।
नींद की कमी: देर रात तक स्क्रीन पर समय बिताने से नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है।
साइबरबुलिंग: ऑनलाइन ट्रोलिंग और नकारात्मक कमेंट्स आत्मविश्वास को कम करते हैं और भावनात्मक तनाव को बढ़ाते हैं।

स्क्रीन टाइम कम करने के फायदे

स्क्रीन टाइम को सीमित करके आप अपने मानसिक स्वास्थ्य और जीवन को कई तरह से बेहतर बना सकते हैं।
बेहतर एकाग्रता: स्क्रीन से दूरी बनाकर आप पढ़ाई और अन्य कार्यों में अधिक ध्यान दे पाएंगे।
मानसिक शांति: योग और ध्यान तनाव को कम करते हैं और दिमाग को शांत रखते हैं।
स्वस्थ जीवनशैली: स्क्रीन टाइम की जगह योग, व्यायाम, और प्रकृति के साथ समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।
नए कौशल का विकास: खाली समय में आप कोई नया कौशल जैसे कोडिंग, लेखन, या कोई वाद्य यंत्र सीख सकते हैं।
मजबूत रिश्ते: परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने से भावनात्मक समर्थन मिलता है, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

जीवन को बेहतर बनाने के उपाय

समय सीमा तय करें: रोजाना स्क्रीन टाइम को 1-2 घंटे तक सीमित करें। फोन पर टाइमर या ऐपलिमिटर का उपयोग करें।
स्क्रीन-फ्री ज़ोन: पढ़ाई का स्थान और बेडरूम को स्क्रीन-फ्री रखें। सोने से पहले फोन का उपयोग बंद करें।
योग और ध्यान अपनाएं : सुबह 10-15 मिनट सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, या मेडिटेशन करें। यह तनाव कम करता है और एकाग्रता बढ़ाता है।
नए कौशल सीखें: अपने समय को रचनात्मक कार्यों में लगाएं, जैसे कोई भाषा सीखना, पेंटिंग, या डिजिटलस्किल्स। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और भविष्य के लिए उपयोगी है।
परिवार के साथ समय: परिवार के साथ भोजन करें, बातचीत करें, या कोई खेल खेलें। यह अकेलेपन को कम करता है और रिश्तों को मजबूत करता है।
प्रकृति के करीब जाएं: पार्क में टहलें, पेड़-पौधों के बीच समय बिताएँ। यह मानसिक तनाव को कम करता है।
परामर्श लें: अगर तनाव या अवसाद लगे, तो किसी विश्वसनीय व्यक्ति या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से बात करें।
छोटे कदम, बड़े बदलाव : स्क्रीन टाइम कम करना शुरू में मुश्किल लग सकता है, लेकिन छोटे कदमों से आप इसे आसानी से हासिल कर सकते हैं। हर दिन एक घंटा कम स्क्रीन टाइम का मतलब है हर हफ्ते 7 घंटे आपके पास योग, पढ़ाई, परिवार, या नए कौशल के लिए। यह समय आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा और आपके सपनों को हकीकत में बदलने में मदद करेगा। छात्र जीवन आपके भविष्य का आधार है। स्क्रीन की चमक में खोने के बजाय, अपने समय को योग, एकाग्रता, नए कौशल, और परिवार के साथ बिताएँ। यह न केवल आपके मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करेगा, बल्कि आपको एक संतुलित, सुखी, और सफल जीवन की ओर ले जाएगा। आज से ही शुरुआत करें अपने फोन को एक तरफ रखें, गहरी सांस लें, और अपने सपनों की ओर कदम बढ़ाएं। आपका दिमाग और आपका समय आपकी सबसे बड़ी ताकत हैं, इनका सही उपयोग करें।

सामान्य ज्ञान

1. ब्रजभाषा' है -
(ए) पूर्वी हिन्दी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) बिहारी हिन्दी
(डी) पहाड़ी हिन्दी

2. मगही' किस भाषा की बोली है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) पूर्वी हिन्दी
(डी) बिहारी

3. हिन्दी खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
(ए) मागधी
(बी) अर्धमागधी
(सी) शौरसेनी
(डी) ब्राचड़

4. भाषा के आधार पर राज्यों की पुनः संरचना की गयी थी ?
(ए) 1952 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1954 ई. में
(डी) 1956 ई. में

5. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ?
(ए) पंजाब
(बी) जम्मू-कश्मीर
(सी) रजस्थान
(डी) आंध्र-प्रदेश

6. बघेली बोली का संबंध किस उपभाषा से है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पूर्वी हिन्दी
(सी) बिहारी
(डी) पश्चिमी हिन्दी

7. किस तिथि को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?
(ए) 15 अगस्त, 1947 ई.
(बी) 26 जनवरी, 1950 ई..
(सी) 14 सितम्बर, 1949 ई..
(डी) 14 सितम्बर, 1950 ई.

8. वर्ष 1955 ई. में गठित प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष थे -
(ए) बी. जी. खेर
(बी) सुनीति कुमार चटर्जी
(सी) जी. बी. पन्त
(डी) पी. सुव्योरोयान

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(डी) 5.(डी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(ए)

खबर संक्षेप

कृषि विरोधी नीतियों पर जमकर बरसे सुरजेवाला

बाढड़ा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव व कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की कृषि विरोधी नीतियों से किसान कर्ज की दलदल में फंस गया है वहीं सरकार अलग अलग नामों से कार्यक्रमों का आयोजन कर आमजन के एकत्रित कर उसे मिले पैसे का दुरुपयोग कर रही है।

नवाचार से वित्तीय साक्षरता का संवर्धन

बवानीखेड़ा। प्रमुख अंतर-विद्यालयीय वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम बी-फिनस्मार्ट 3.0 का सफल आयोजन डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-49, गुरुग्राम ने 8 और 9 अक्टूबर 2025 को किया गया। यह आयोजन गुरुग्राम के सरकारी और निजी विद्यालयों तथा अंतरराष्ट्रीय विद्यालयों का एक प्रेरणादायी सहयोग रहा। , जिसने सीमाओं से परे ज्ञान-साझाकरण की भावना को साकार किया।

नपा कर्मचारियों ने काटे इंक्रोचमेंट के 56 चालान

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा मार्किट में दुकानदारों द्वारा दुकानों के आगे शेड लगाने व अपनी निर्धारित सीमा से बाहर सामान रखने को लेकर चालान काटो अभियान चलाया। जिसको लेकर दुकानदारों में हड़कंप मच गया। नगर पालिका सचिव संदीप गर्ग के आदेशानुसार दो टीमें बनाई गई जिसमें पहली टीम में लिपिक कपूर, सुनील कुमार, प्रमोद कुमार व दूसरी टीम में लिपिक अजीत सिंह, दिनेश कुमार, राकेश कुमार शामिल रहे। पहली टीम ने जहां 30 चालान काटे तो दूसरी टीम ने 26 चालान काटे।

सिंचाईमंत्री कैंप कार्यालय घेराव व प्रदर्शन कल

चरखी दादरी। हरियाणा गर्वमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कार्यकारिणी बैठक प्रधान सत्यबीर सरोहा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुती चौधरी के कैंप कार्यालय भिवानी में 11 अक्टूबर को होने वाले विशाल प्रदर्शन व घेराव को लेकर चर्चा की। संचालन नवदीप फौजी ने किया। बैठक में बतौर मुख्य वक्ता राज्य महासचिव जरनैल सिंह, राज्य कोषाध्यक्ष राहुल हुड्डा, राज्य उपप्रधान अफलातून जाखड़ रहे।

जिला अदालत में दूसरे दिन भी वर्क सस्पेंड

भिवानी। जिला बार एसोसिएशन ने शुक्रवार को जिला अदालत का वर्क सस्पेंड रखा। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट संदीप तंवर ने बताया कि संभागीय आयुक्त न्यायालय की सुनवाई रोहतक में स्थानांतरित किए जाने के विरोध में हड़ताल की गई है। शुक्रवार को भिवानी बार एसोसिएशन ने विरोध स्वरूप हड़ताल की हैं। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप तंवर के नेतृत्व में सभी अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन हड़ताल रही और फिर मंडल आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया।

सांस्कृतिक सदन में चल रहे कला उत्सव का हुआ समापन

कला उत्सव में दिखी पड़ोसी राज्यों की कला व संस्कृति

दुनिया की हर गली में कान्हा को ढूंढती हूँ महारास ने सांस्कृतिक सदन में सुंदर प्रस्तुति से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शरद का आगमन और वाल्मीकि जयंती के अवसर पर किए गए आयोजन में प्रकृति चाँदनी में स्नात, गोकुल की हर गली में मथुरा की हर गली में दुनिया की हर गली में कान्हा को ढूंढती हूँ महारास ने सांस्कृतिक सदन में बांधा समां । लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने किया चार दिवसीय लोक कला उत्सव का समापन। माधुरी कुंज में राधिका व मयूर भगवान कृष्ण गोपियों संग उतरे तो दर्शकगण हुए रोमांचित। सांस्कृतिक मंच के सहयोग से उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज तथा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 4दिन से चल रहे लोक कला उत्सव का समापन सांसद धर्मबीर सिंह, प्रमुख उद्योगपति धर्मेश शाह , रोटरी क्लब भिवानी डाउन टाउन की प्रधान सुषमा दीक्षित, एडवोकेट सुरेंद्र जैन ,डॉ.धर्मवीर ढिल्लों, प्रो. नीता चावला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया रासलीला से पूर्व प्रभु कृष्ण राधा की आरती व जय जयकार की गई। 18 सदस्यीय दल के साथ रासलीला मंडल मथुरा से पधारे निर्देशक राम किशोर दीक्षित ने सुदामा कृष्ण लीला, मयूर नृत्य तथा गोपियों संग महारास लीला का मंचन किया। समारोह के प्रारंभ में मंच के प्रवक्ता जगत नारायण भारद्वाज ने स्वागतीय उद्बोधन में लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह के आगमन व सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के निदेशक सुदेश शर्मा का आभार जताया जिनके कारण 4 विभिन्न प्रांतों की लोककला की सांस्कृतिक छटा भिवानी वासियों को देखने को मिली। सांस्कृतिक मंच इस तरह के उच्च कोटि के कार्यक्रम मनोरंजन नहीं लोकरंजन के लिए करवाता आया है जिनकी अन्य प्रांतों में भी प्रशंसा होती है। मंच संचालिका अनीता नाथ ने अपने चिर परिचित अंदाज में बताया कि प्रकृति के कण कण को राधाकृष्ण के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए,यौवन के कृष्ण के बंसी की धुन के संग गाए गीतों को प्रौढ कृष्ण की गीता बताते हुए उपस्थित जन को भावविभोर कर दिया। रासलीला के भजनों -कदंब के नीचे जमना तीरे बंसी बजाता होगा,गोविंद प्रभु की शोभा जो निरखूं लाल के कंठ विराजत हीरा, -दो कर जोर करूं विनती नव कुंजन में सब नर और नारी अब रास रचाओ राधिका प्यारी,राधा-चलो पधारो रास करन को नटवर नंद किशोर,गोपियाँ-तुझ पर हे कान्हा सारो वृंदावन वारो है जैसे रसिया का आनंद सभी ने लिया।सभी सखियों संग राधा ने मोर कुटी जाकर मयूर भगवान कृष्ण संग-तेरा किसने किया सिंगार सांवरे मोर मुकुट कानों में कुंडल,श्यामा प्यारी कजरारे नैनों वाली तूने मुझे लुभाया रास रचाया तो कृष्ण कि विभिन्न मुद्राओं में नाच देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।स

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रमुख व्यवसायी सुरेन्द्र सांगवान, एडवोकेट सुरेंद्र शर्मा, वित्त सलाहकार जोगेन्दर कौशिक, डॉ.वी.के.चुघ,डॉ.रेनु चुघ,डॉ.कर्ण पुनिया,डॉ.वंदना पुनिया,डॉ.मुकेश यादव,संतोष यादव,डॉ.विनोद शर्मा,मंजू शर्मा,किरण मिड्ढा,उमाकांत भार्गव,नरेश बंसल,हीना वधवा,दिनेश वधवा,दयानंद फौगाट, बॉक्सिंग कोच विष्णु भगवान शर्मा,अमित सिंगला तथा शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे तथा करतल ध्वनि से चतुर्दिवसीय लोक कला उत्सव व कार्यक्रम के आयोजकों की प्रशंसा की।

डीसी ने शिकायतों की समीक्षा कर दिए अधिकारियों को निर्देश

शिकायतों के सामधान को लेकर अफसरों की बैठक

भिवानी। समाधान शिविर की शिकायतों की समीक्षा करते उपायुक्त।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने शुक्रवार को समाधान शिविर से संबंधित शिकायतों की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। किसी नागरिकों को बार बार चक्कर ना लगाने पड़े।उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के दिशा नि र्दे शा नु सा र आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर आमजन की भागीदारी के साथ गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बन रहे हैं। ऐसे में सभी विभागों के अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी ओर अधिक बढ़ जाती है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत की जानकार उन्हें हो और प्रतिदिन शिकायतों का समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पहल पर सोमवार व गुरुवार को सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविर के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में चल रही है।

मुख्यमंत्री के आदेश पर लग रहे समाधान शिविर, मिल रहा उचित न्याय

एससी समाज ने डीसी को राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

- बर्बाद फसलों का मुआवजा, बाजरा, कपास व ग्वार की एमएसपी रेट पर हो खरीद : रणधीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

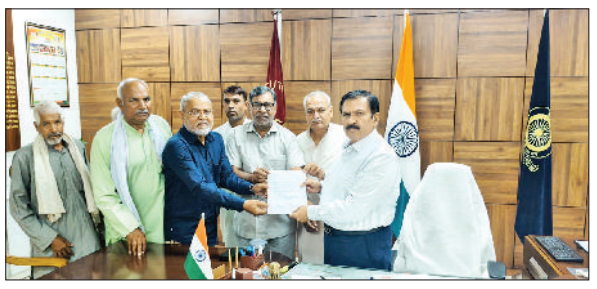

भिवानी। डीसी डॉ. मुनीश नागपाल को ज्ञापन सौंपते अनुसूचित जाति समाज के लोग।

दादरी जिले के अनुसूचित जाति समाज के सैंकड़ों लोगों ने उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर डीसी डॉ. मुनीश नागपाल को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन प्रेषित किया। उन्होंने देश के मुख्य न्यायाधीश सीजेआई न्यायमूर्ति गवई पर हुए कायराना हमले तथा हरियाणा के एडीजीपी पूरन कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई आत्महत्या की घटनाओं के संदर्भ में दोनों ही घटनाओं की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच की मांग की तथा दोषियों पर एससी एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करने की अपील की। ज्ञापन में बताया कि देश के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति गवई पर हुआ हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और संविधान की आत्मा पर सीधा प्रहार है।ज्ञापन में उल्लेख किया कि वरिष्ठ अधिकारी का आत्महत्या के लिए विवश होना इस बात का प्रमाण है कि अनुसूचित जाति वर्ग के अधिकारियों को कार्यस्थल पर सामाजिक, मानसिक और संस्थागत भेदभाव का सामना करना पड़ता है। समाज के प्रतिनिधियों ने महामहिम राष्ट्रपति से चार प्रमुख मांगें रखी, जिनमें सीजेआई गवई पर हुए कायराना हमले की स्वतंत्र और उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए। हमले में संलिप्त सभी व्यक्तियों पर एससी, एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 (संशोधित 2015) की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कठोरतम सजा दी जाए। वहीं पूरन कुमार आत्महत्या प्रकरण की जांच सीबीआई या किसी स्वतंत्र एजेंसी से करवाई जाए, ताकि सच्चाई उजागर हो सके। इस मौके पर चमार फेडरेशन ऑफ इंडिया के राज्य प्रधान रामनारायण चरखी ने कहा कि अनुसूचित जाति समाज अन्याय और भेदभाव के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएगा, दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो समाज राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन चलाने को विवश होगा।

जताई चिंता

उन्होंने कहा कि हमला अनुसूचित जाति समाज के गौरव और सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला है, जिसके लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर ने अपना पूरा जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति गवई न केवल न्यायाधीश हैं, बल्कि वे सामाजिक न्याय और समानता के प्रतीक हैं, ऐसे हमले हमारे संवैधानिक ढांचे और सामाजिक सौहार्द के लिए गंभीर खतरा है। इसी प्रकार पूरन कुमार की आत्महत्या भी अत्यंत दुःखद और गंभीर प्रकरण है।

किसान सभा ने डीआरओ को सौंपा ज्ञापन

- बर्बाद फसलों का मुआवजा, बाजरा, कपास व ग्वार की एमएसपी रेट पर हो खरीद : रणधीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

अखिल भारतीय किसान सभा जिला स्तरीय कार्यकारिणी द्वारा बैठक का आयोजन किया। इसके उपरांत मांगों का ज्ञापन डीआरओ को सौंपकर राज्य कृषि मंत्री को प्रेषित करवाया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान रणधीर सिंह कुंगड ने की। इस दौरान चेयरमैन बिजेंद्र सिंह फतेहगढ़, उपप्रधान अनोखी देवी, राजकुमार धिकाडा, सुरेंद्र मोठसरा, कमलेश भैरवी ने कहा कि जिले में खरीफ की सभी फसले ज्यादा वर्षा और जलभराव से खराब व नष्ट हो गई है। उन्होंने कहा कि आगामी फसल बिजाई के लिए उचित डीएपी व यूरिया खाद का किसानों तक पहुंचाने का प्रबंधन किया जाए। खराब नष्ट हुई फसलों का 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए। वहीं खराब हो चुकी फसलों के कारण खेतों में मजदूरी करने वाले मजदूरों को काम नहीं मिला, इसलिए उनके जीवनयापन के लिए भी मदद की जाए। ज्ञापन देने वालों में फतेह सिंह चिड़िया, नरेंद्र झींझर, ओमप्रकाश नंबरदार चरखी, सुरेश चरखी, जयसिंह दूधवा व चंद्रमुखी दादरी सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

भिवानी। विरोध प्रदर्शन करते किसान सभा के सदस्य।

बर्बाद फसलों का जल्द मुआवजा दिया जाए

उन्होंने कहा कि बर्बाद फसलों का जल्द मुआवजा दिया जाए। वहीं बाजरा, कपास व ग्वार आदि फसलों की एमएसपी रेट पर खरीद करवाई जाए। अधिकांश किसानों के खेतों में अभी तक जलभराव है, उसे पानी को निकाला जाए, अन्यथा रबी की फसल की बिजाई भी नहीं हो पाएगी।

सैनी कल्याण परिषद ने आठ परीक्षा केंद्रों पर करवाई प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा

भिवानी। परीक्षा परिणाम को लेकर आयोजित बैठक में उपस्थित सैनी समाज के लोग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- 8 परीक्षा केंद्रों पर 1500 के लगभग विद्यार्थियों ने दी थी प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा : सैनी

युवाओं की छिपी हुई प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के उद्देश्य से सैनी कल्याण परिषद द्वारा शिक्षाविद् राजकुमार सैनी के मार्गदर्शन में बीते दिनों भिवानी जिले के 8 परीक्षा केंद्रों पर प्रतिभा प्रोत्साहन एवं विकास परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस परीक्षा में जिला के विभिन्न गांवों में स्थित 8 परीखा केंद्रों पर करीबन 1500 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जो शिक्षा और प्रतिस्पर्धा के प्रति उनके उत्साह को दर्शाता है।

इस महत्वपूर्ण परीक्षा का परिणाम 11 अक्टूबर को जारी किया जाएगा। इस दौरान जहरगिरी आश्रम में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

ओलंपिक गेम्स के लिए जिले की टीम का चयन

- सीनियर वर्ग के महिला व पुरूष वर्ग पहलवानों का ट्रायल के बाद चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

राष्ट्रीय राजमार्ग 152डी के निकट देवी ढाणा रोड स्थित बहादुर सिंह अखाड़ा परिसर में सीनियर वर्ग के पहलवानों का चयन ट्रायल के हुआ। महिला व पुरूष दोनों ही वर्गों के पहलवानों ने अपने खेल के हुनर को दिखाया, जिनमें विजेता रहने वाले खिलाड़ियों को जिला स्तरीय टीम के लिए चुना। अब आगामी दिनों में राज्य स्तरीय स्पर्धा हरियाणा ओलम्पिक गेम्स में ये सभी खिलाड़ी जिला चरखी दादरी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सोनीपत में होने वाले टूर्नामेंट में सीनियर वर्ग के पहलवानों द्वारा अपनी चुनौती रखी जाएगी। अखाडा संचालक कोच यासीन खान व पवन पहलवान फतेहगढ़ की अध्यक्षता में ट्रायल हुई। इस दौरान बतौर मुख्यतिथि एसएसओ सिटी थाना सन्नी सिंह ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि जिला चरखी दादरी प्रधान कुश्ती संघ संदीप सिंह व सचिव योगेश इमलोटा ने सहभागिता की।

भिवानी। पहलवानों का परिचय करवाते अतिथि।

चयन के दौरान ये रहे मौजूद

इस दौरान ठेकेदार धर्मवीर व हरेंद्र घसौला, सूरजभान साहब झाडली, नेवी से सलीम खान, विवेक ढाणी फौगाट, हैड कांस्टेबल सचिन, अजीत झाडली, कुलदीप ठेकेदार घसौला, अशोक डीपीई खातीवास, पीटीआई धर्मेंद्र खाचरौली, वजीर मास्टर समसपूर, पीटीआई रतन रानीला, डीपीई जयदीप चरखी आदि ने पहलवानों की हौंसला अफजाई की।

जिले में जल्द करवाई जाएंगी खेल प्रतियोगिताएं, बैठक में किया मंथन

चरखी दादरी । जिला परिषद की बैठक लेते उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल।

चरखी दादरी । जिला खेल परिषद की ओर से खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से जल्द ही स्पोर्ट्स एक्टिविटी शुरू की जाएंगी। इसमें शिक्षा विभाग का खेल प्रकोष्ठ सहयोग करेगा। साथ ही अन्य संबंधित विभागों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। जिला खेल परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि खूल विभाग तुरंत जिला में खेल गतिविधियां शुरू करवाए। उन्होंने कहा कि जिले में बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, ऐसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलना चाहिए। खेल विभाग जल्द ही एक अच्छा खेल प्रतियोगिता की योजना तैयार करे, जिसमें लड़के व लड़कियों के लिए प्रतियोगिताएं करवाई जाएं। उन्होंने कहा कि दादरी जिला की पहचान खिलाड़ियों से है, जिला बनने के बाद भिवानी खेल परिषद से दादरी को जो राशि मिलनी थी, उसे लेकर विभाग कार्यवाही करें ताकि प्रतियोगिताओं के आयोजन में कोई कमी न रहे। उन्होंने कहा कि जिला के अच्छे खिलाड़ी को जिला खेल परिषद का ब्रांड एंबेसडर बनाएं। बैठक में जिला परिषद के चेयरमैन मनदीप डालावास, नगर परिषद के चेयरमैन बक्शीराम सैनी, एसडीएम योगेश सैनी, सीईओ जिला परिषद डा विरेन्द्र सिंह, सीटीएम प्रीति रावत व डीएसओ विष्णु भगवान सहित परिषद के सदस्य और विभिन्न विभागों अधिकारी मौजूद रहे।

सीआरएम मोबाइल एप के माध्यम से होगी कार्य की निगरानी

- गांव-गांव जाकर होगी धान फसल की वेरीफिकेशन होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सहायक कृषि अभियन्ता नसीब सिंह धनखड़ ने बताया कि धान की पराली मे आगजनी की घटनाओं पर पुर्णतः अंकुश लगाने के लिए उपायुक्त साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार पराली जलाने पर निगरानी को लेकर भिवानी जिले में 229 नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। भिवानी जिले के यैल्लो जोन के दो गांव कलिंगा व बावानी खेड़ा में प्रत्येक 50 किसानों पर एक नोडल अधिकारी व अन्य धान बिजाई वाले ग्रीन जोन के गांव में प्रत्येक 100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मोबाइल एप के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी।

जागरूक किया

उप कृषि निदेशक भिवानी डॉ. विनोद फौगाट ने किसानों से आह्वान किया कि किसान भाई आधुनिक पराली प्रबन्धन कृषि यन्त्रों को अपनाए व धान के फसल अवशेषों का प्रबन्धन कर जुर्माने व कार्यवाही से बचें, तथा खेत की उर्वरा शक्ति भी बढ़ाएं और पर्यावरण को स्वच्छ रखने मे जिला प्रशासन व सरकार का सहयोग करें।

सभी नियुक्त किए गए नोडल अधिकारियों को मोबाइल एप का प्रशिक्षण दिया जा चुका हैं। उन्होंने बताया कि ये नोडल अधिकारी गांव-गांव जाकर धान की खेती करने वाले किसानों से मिल रहे हैं और उन्हें पराली प्रबंधन हेतु जागरूक कर रहे है। जिसमें हर एक किसान के प्रत्येक किला नंबर पर सीआरए. मोबाइल एप के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी।

जॉब सुरक्षा एक्ट में कम्प्यूटर लैब सहायकों को भी किया जाए शामिलः प्रेमजीत

जॉब सुरक्षा एक्ट की मांग को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

14 वर्षों से पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे कम्प्यूटर लैब सहायक, वेतन मात्र 12 हजार रुपये: प्रेमजीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। विधायक को ज्ञापन सौंपने जाते कम्प्यूटर लैब सहायक। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पिछले 14 वर्षों से कार्यरत कम्प्यूटर लैब सहायकों ने अपनी जॉब सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवाज बुलंद की है। इस संबंध में जिला भिवानी की टीम ने शुक्रवार को बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि को ज्ञापन सौंपा। कम्प्यूटर लैब सहायकों ने मांग की कि राज्य सरकार जल्द से जल्द उनके लिए सर्विस सिक्योरिटी एक्ट (जॉब सुरक्षा एक्ट 2024) का पत्र जारी करें, जिसमें उन्हें शामिल किया गया है। कम्प्यूटर लैब सहायकों को विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि से आश्वासन मिला है कि उनकी मांग को जल्द ही मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। प्रेमजीत ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी जॉब सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने जॉब सुरक्षा एक्ट-2024 लाने के लिए वर्तमान सरकार का स्वागत किया और पुष्टि की कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों में कार्यरत कम्प्यूटर लैब सहायक इस सर्विस सिक्योरिटी एक्ट में शामिल हैं। सहायकों ने गहरा दुःख और निराशा व्यक्त की कि सरकार द्वारा एक्ट 2024 लाए जाने और इसके एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) नियम भी जारी कर दिए जाने के बावजूद विभाग ने अभी तक इसे लागू नहीं किया है और न ही संबंधित पत्र जारी किया है। विधायक कपूर को ज्ञापन सौंपकर एक्ट का पत्र तत्काल प्रभाव से जारी करने की मांग की, ताकि कम्प्यूटर लैब सहायकों की नौकरी सुरक्षित हो सके और उन्हें 14 वर्षों की सेवा का उचित प्रतिफल मिल सके। इस अवसर पर सतपाल बड़सी, नवीन ढांडा, संदीप शर्मा, योगेश, सुनील, संदीप व सोमबीर आदि मौजूद रहे।

बीते 14 सालों से 12 हजार में कर रहे काम

कम्प्यूटर लैब सहायकों के प्रदेश प्रवक्ता प्रेमजीत ने बताया कि पिछले 14 सालों से ये सहायक सरकारी स्कूलों में पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इतने लंबे कार्यकाल के बावजूद उनका मासिक वेतन मात्र 12 हजार रुपये है। उन्होंने दुःख व्यक्त किया कि इतने लंबे समय से कार्यरत होने के बावजूद उन्हें अभी तक कोई लाभ नहीं दिया गया है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की विचारधारा को जीवन में आत्मसात करें : धर्मबीर

■ चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

युवा सरदार वल्लभभाई पटेल की विचारधारा और सेवा की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें और देश की एकता अखंडता के लिए पूर्ण समर्पित भाव से कार्य करें यह विचार लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने माय भारत के तहत चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता एवं अखंडता के लिए 560 से ज़्यादा रियासतों को एकजुट करके एक मज़बूत और अखंड भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सांसद चौधरी धर्मबीर ने आज सरदार पटेल की चिरस्थायी विरासत को स्मरण करने के लिए 'माय भारत' के नेतृत्व में एक राष्ट्रव्यापी अभियान, 'सरदार 150 यूनिटी मार्च' के शुभारंभ की घोषणा की । दो महीने तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और नागरिक जिम्मेदारी की भावना जगाना, भारत को एकजुट करने की सरदार पटेल की विरासत का सम्मान करना और उन्हें 'एक भारत, आत्मनिर्भर भारत' के आदर्शों को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। सांसद ने बताया कि राष्ट्रनिर्माण में जनभागीदारी के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा माय भारत के माध्यम से आयोजित की जा रही विकसित भारत पदयात्राएँ राष्ट्रव्यापी पहल हैं जिनका उद्देश्य राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देना, एकता की भावना को सुदृढ़ करना और स्मृति एवं सहभागी कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं में नागरिक जुड़ाव को गहरा करना है। सरदार एकता मार्च भी इसी व्यापक दृष्टिकोण का एक हिस्सा है। यह अभियान राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में आप, विशेष रूप से अमृत पीढी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है और भारत के महान नेताओं के शाश्वत योगदान के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करता है।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 18 को

उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रत्येक युवा भारतीय उनके जीवन और नेतृत्व से प्रेरणा लेगा तथा एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के उनके दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा। सांसद ने बताया कि 18 अक्टूबर से सांसद खेल महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं जो खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म साबित होगा। संसदीय क्षेत्र स्तरीय खेल महोत्सव 23 नवंबर से 25 तक नवंबर को भीम स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कुलगुरु प्रो दीप्ति धर्माणी एवं कुलसचिव प्रो भावना शर्मा संग विश्वविद्यालय परिसर में वात्सल्य चाइल्ड केयर सेंटर का शुभारंभ किया।

सांसद चौधरी धर्मबीर ने किया संबोधित

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी में आयोजित कार्यक्रम में मीडिया को संबोधित करते हुए, सांसद ने कहा कि एकता मार्च केवल एक स्मरणोत्सव नहीं है, बल्कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण में शामिल करने और एक विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाने का एक राष्ट्रीय आंदोलन है। उन्होंने युवाओं से सरदार वल्लभभाई पटेल की विचारधारा और भावना को अपने जीवन में आत्मसात करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एकता मार्च युवाओं द्वारा और युवाओं के लिए होगा, जिसकी सभी तैयारियां और व्यवस्थाएं एनएसएस और माय भारत के युवा स्वयंसेवकों द्वारा की जाएंगी।

खबर संक्षेप

हुडा 33केवी सब स्टेशन की बिजली दोपहर दो बजे से रहेगी बंदे

भिवानी। शनिवार 11 अक्टूबर को 33केवी सब स्टेशन हुडा से चलनी वाली लाइन दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक बंद रहेंगी, जिसके चलते इसके अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की बिजली सप्लाई पूर्णरूप से बंद रहेगी। जेई पवन कुमार ने बताया कि शनिवार 11 अक्टूबर को 33केवी सब स्टेशन हुडा लाइन पर मरम्मत कार्य किया जाना हैं।

टीआईटी एंड एस कॉलेज में लगाया रक्तदान शिविर

भिवानी। टीआईटी एंड एस कॉलेज, भिवानी में 09 अक्टूबर 2025 को रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों तथा स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के डायरेक्टर प्रो. बी.के. बेहेरा ने रक्तदाताओं को सम्मानित किया ।

अस्पताल में लगाए गए विभिन्न पौधे

तोशाम। उपमंडल अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. सुधीर चाहर व नोडल अधिकारी आउटसोर्सिंग डॉ. विकास कटारिया की देखरेख में शुक्रवार को अस्पताल परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भगवान गणेश एवं चौथ माता की सुनीं कहानियां

सुहागिनों ने पति की सलामती के लिए रखा करवा चौथ व्रत

रात 8:10 बजे चांद निकलते ही छलनी के अंदर पति का दीदार कर खोला व्रत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सुहागिनों के लिए करवाचौथ पर्व बहुत ही खास होता हैं, जिसको लेकर वह कई दिन पहले ही तैयारी करने लगती हैं। चाहे बाजार में साड़ी खरीदनी हो या चूड़ी, गहने, कॉस्मेटिक सामान, पूजन सामान या फिर पार्लर आदि की बुकिंग करनी हो, वह इसको लेकर बहुत ही खुश एवं उत्साहित रहती हैं, कि उसे करवाचौथ पर क्या खरीदना हैं और क्या क्या तैयारियां करनी हैं। करवाचौथ पर बाजार में हर तरफ महिलाओं की अच्छी खासी भीड़ नजर आती हैं। प्रत्येक दुकान पर महिलाएं खरीददारी करती दिखाई देती हैं। इस दिन सुहागिनें सोलह श्रृंगार करके अपने हाथों में अपने सजना के नाम की मेहंदी रचाती हैं और पूरे दिन भूखी-प्यासी रहकर पति की लम्बी उम्र की कामना के लिए व्रत रखती हैं और प्रत्येक वर्ष व्रत को धूमधाम से मनाने की कामना करती हैं। उल्लेखनीय हैं कि सुहागिनों ने शुक्रवार को शाम 8:10 बजे छलनी के अंदर से चांद व पति का दीदार किया और पति के हाथ से पानी पीकर करवाचौथ का व्रत खोला और उनके चरण स्पर्श कर सदा सुहागिन बनी रहने की कामना की। नाइक्लालो की गली, बिचला बाजार, कीर्ति नगर, विद्यानगर, पुराना पटवार खाना चूहड़सिंह की बाजारी, नूनसर जोहड़, हनुमान ढाणी, गुजरो की ढाणी सहित अनेक स्थानों पर सुहागिनों ने एकत्रित होकर सामूहिक रुप से करवाचौथ पर भगवान गणेशजी व चौथ माता की कथा सुनीं।

हाथों में अपने सजना के नाम की रचाई मेहंदी

भिवानी। पुराना पटवारखाना चूहड़सिंह की बाजारी में करवाचौथ की कथा सुनती सुहागिनें। फोटो : हरिभूमि

सुहागिन कोमल, कमलेश, पूजा, उषा बाजवान, रेणु, सुनीता, प्रवीन, इंदु, सरिता व पूनम आदि ने बताया कि करवाचौथ व्रत हर सुहागिन के लिए बहुत ही विशेष होता हैं। महिलाओं ने दिनभर भूखे-प्यासे रहकर पति की दीर्घायु एवं स्वस्थ्य रहने की कामना की। वहीं सुहागिनों ने चौथ माता व गणेश भगवान से ताउम्र सुहागिन जीवन जीने की प्रार्थना की। दोपहर को कथा संपन्न होने के बाद सुहागिनों ने सूर्यदेव को अर्घ्य दिया और चंद्र उदय तक उनके शरीर में वहीं तेज बना रहने की प्रार्थना की, ताकि वे अपने संकल्प को पूरा कर सकें। करवा चौथ पर सुहागिनों ने अपने सजना के नाम की मेहंदी रचाई और घरों में स्वादिष्ट पकवान बनाए। शाम होते ही सुहागिनें संपूर्ण श्रृंगार के साथ सज-संवरकर पूजा की थाली हाथों में लेकर अपने पति के साथ छत पर पहुंची और छलनी के अंदर से चंद्रदेव व पति का दीदार किया। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर चंद्रदेव की आरती उतारी और पति की दीर्घायु की कामना के साथ व्रत खोला। वहीं पति ने अपनी अपनी की जीवनभर रक्षा व सम्मान बनाए रखने का संकल्प किया।

दुकानों के बाहर मेहंदी लगवाने की भीड़

शहर के लगभग सभी बाजारों में करवाचौथ पर्व पर मेहंदी लगाने वालों की अच्छी खासी कमाई होती हैं। कॉस्मेटिक, ज्वैलरी, खिलौने, गिफ्त गैलरी व साड़ियों की दुकानों के बाहर मेहंदी लगवाने के लिए महिलाओं की अच्छी खासी भीड़ रही। महिलाओं ने दोनों हाथों व दोनों पैर में मेहंदी लगवाई, जिससे वो बहुत सुंदर दिखाई दे। महिलाओं ने वैसे तो पहले ही खरीददारी कर ली थी, फिर भी कामकाजी महिलाओं ने शुक्रवार को करवाचौथ के दिन भी खरीददारी की। वहीं चूड़ियों की दुकानों पर महिलाओं की जबरदस्त भीड़ रही।

एडवांश बुकिंग के बावजूद पार्लरों में करना पड़ा इंतजार

सुहागिनों ने करवाचौथ पर सजने संवरने के लिए ब्यूटी पार्लरों में एंडवास बुकिंग करवाई हुई थी, इसके बावजूद उन्हें घंटों तक पार्लर में अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। करवाचौथ पर पार्लर व सैलून संचालिकाओं ने सुहागिनों के लिए क्लीनिंग से फेशियल, हेयर ट्रीटमेंट से पॉलिशिंग के स्पेशल पैकेज रखे थे, ये सभी पैकेज महिलाओं की पसंद एवं जरूरत के अनुसार थे। वहीं काफी महिलाओं ने पहले ही दिन मेकअप व हेयर सेट करवाएं, ताकि करवाचौथ के दिन भीड़-भाड़ में परेशान न होना पड़े। वहीं पार्लरों में महिलाओं ने समय निर्धारित कर एडवांस बुकिंग करवाई थी, इसके बावजूद उन्हें इंतजार करना पड़ा।

भिवानी। हाथों पर रचाई मेहंदी दिखाती अध्यापिका।

मेहंदी प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

चरखी दादरी । करवाचौथ पर बीआर शिक्षण संस्था द्वारा संचालित आईपीएस स्कूल बिरहीकलां में महिला स्टाफ के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं और महिला कर्मचारियों ने पारंपरिक उत्साह और सृजनशीलता का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने करवाचौथ, पारंपरिक प्रतीकों और भारतीय संस्कृति को अपनी मेहंदी डिजाइनों में बखूबी उकेरा। कार्यक्रम स्थल को रंग-बिरंगे फूलों और सजावट से सजाया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय बन गया। इस अवसर पर बीआर शिक्षण संस्था के चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज ने सबको करवाचौथ पर्व की शुभकामनाएं दी और कहा कि करवाचौथ हमारे सांस्कृतिक और पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक है। संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम हमारी शिक्षिकाओं और महिला स्टाफ के उत्साह और प्रतिभा को प्रदर्शित करता है, ऐसे आयोजन न केवल परंपरा को जीवित रखते हैं, बल्कि हमारे विद्यालय परिवार में एकता और आनंद का वातावरण भी बनाते हैं।

भिवानी। महिला शिक्षिकाओं को सम्मानित करते संस्थान के चेयरमैन एवं पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी बलबीर सिंह।

महिला शिक्षिकाओं को किया सम्मानित

चरखी दादरी। अलार इंस्टीट्यूट फॉर नीट एनडीए आईआईटी प्रबंधन ने करवाचौथ पर कार्यक्रम का आयोजन कर महिला शिक्षिकाओं को टोकन ऑफ रिस्पेक्ट" प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजन का मुख्य लक्ष्य महिला शिक्षिकाओं के अमूल्य योगदान को सराहना व हौसला अफजाई करने का रहा। इसके माध्यम से समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना को प्रकट किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान चेयरमैन एवं पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी बलबीर सिंह ने द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ करवाया। कार्यक्रम में सभी महिला शिक्षिकाओं रुकेश, प्रीति, उमा, ज्योति, नवेदिता, प्रियंका, सोनू, अनिता एवं बबीता आदि को "टोकन ऑफ रिस्पेक्ट" के रूप में स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। संस्थान के चेयरमैन ने कहा कि "महिला शिक्षिकाएं न केवल विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करती हैं, बल्कि समाज में संस्कार और मूल्य प्रणाली को भी सुदृढ़ करती हैं। करवाचौथ पर्व महिला शक्ति, समर्पण एवं परिवार की एकता का प्रतीक है।

लोगों की सुविधा को शहर में 45 लाख की लागत से बनेंगे तीन शौचालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

लोहारू नगर पालिका चेयरमैन प्रदीप तायल ने बताया कि लोगों की सुविधा के लिए लोहारू शहर में करीब 45 लाख रुपये की लागत से तीन शौचालय बनाए जाएंगे। जिसकी शुरुआत शुक्रवार को आदर्श रामलीला मैदान से की गई है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनने वाले इस शौचालय पर करीब 15 लाख रुपये खर्च होंगे। वे रामलीला मैदान परिसर में शौचालय निर्माण शुभारंभ मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। आदर्श रामलीला समिति के प्रधान संतलाल सैनी ने शौचालय की नींव रखते हुए इस शौचालय के निर्माण से आम लोगों के साथ साथ रामलीला के दौरान दर्शकों को काफी सुविधा मिलेगी। नगरपालिका चेयरमैन प्रदीप तायल और वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि विपिन सैनी ने कहा कि लोहारू शहर में विकास को नई गति देना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि लोहारू में गलियों के निर्माण संबंधी अनेक कार्यों के टेंडर लगाए जा चुके हैं तथा शेष कार्यों के टेंडर आने वाले दिनों में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आगामी दीपावली सीजन को ध्यान में रखते हुए शहर की सभी स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराया जा रहा है। वाहन चालकों से शहर के मुख्य मार्गों पर वाहन आदि खड़ा नही करने की अपील की है।

व्यक्तित्व विकास ही सशस्त्र बलों में अधिकारी बना सकता

■ एसएसबी की परीक्षा एक उज्जवल भविष्य विषय पर व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

शिक्षा के साथ साथ सांस्कृतिक और खेल जैसी सह-शैक्षणिक गतिविधियों का भी एसएसबी की चयन प्रक्रिया में अहम योगदान होता है। संपूर्ण व्यक्तित्व विकास ही आपको भारतीय सशस्त्र बलों में अधिकारी बना सकता है यह बात 11 हरियाणा बटालियन एन सी सी भिवानी के दिशानिर्देशानुसार वैश्य महाविद्यालय भिवानी इकाई के कुशल नेतृत्व में एसएसबी की परीक्षा एक उज्जवल भविष्य विषय पर आयोजित जिला स्तरीय विस्तार व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे डीआरडीओ साइंटिस्ट डॉ सतीश कुमार रंगा ने कही।

व्याख्यान में डॉ सतीश कुमार रंगा ने अपने व्याख्यान में स्क्रीनिंग टेस्ट, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, समूह परीक्षण, व्यक्तिगत साक्षात्कार और सम्मेलन जैसे एस एस बी प्रक्रिया के प्रमुख चरणों की भी जानकारी दी।डॉ रंगा ने परीक्षणों के विभिन्न चरणों और उनमें शामिल गतिविधियों का विस्तृत विवरण देते हुए कहा कि आपके व्यक्तित्व में एक अधिकारी के समस्त गुण जैसे नेतृत्व, टीम भावना और निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने उपस्थित कैडेट्स को मौखिक,गैर-मौखिक तर्क कौशल,चित्र बोध,मनोवैज्ञानिक परीक्षण,समूह परीक्षण,कमांड टास्क, व्यक्तिगत साक्षात्कार की जटिलताओं और उनसे पार पाने के कौशल पर विस्तृत चर्चा की।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ हरिकेश पंघाल ने किया।कार्यक्रम के प्रारंभ में एन सी सी इंचार्ज डॉ अनिल तंवर,डॉ सतीश श्योराण,डॉ मनीष कुमार और डॉ अनिल शर्मा ने डॉ सतीश कुमार रंगा का पुष्पगुच्छ के द्वारा स्वागत किया।अपने धन्यवाद भाषण के माध्यम से कैप्टन डॉ अनिल तंवर ने भविष्य में भी इस तरह के व्याख्यान आयोजित करवाते रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्याख्यान एनसीसी कैडेट्स की झिझक को समाप्त करके उन्हें बहिर्मुखी बनाते हैं।कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के एनसीसी इंचार्ज वी एनसीसी कैडेट्स के साथ साथ महाविद्यालय के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

भिवानी। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

एस एस बी चयन प्रक्रिया की बारीकियों को समझा

वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के एनसीसी इंचार्ज कैप्टन डॉ अनिल तंवर द्वारा आयोजित जिला स्तरीय विस्तार व्याख्यान में वैश्य महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स के अलावा राजीव गांधी महिला महाविद्यालय,आदर्श महिला महाविद्यालय,टीआईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज और चौ बंसीलाल पॉलीटेक्निक कॉलेज के 200 एनसीसी कैडेट्स ने एस एस बी चयन प्रक्रिया की बारीकियों को समझा। डॉ सतीश कुमार रंगा ने सेवा चयन बोर्ड (एस एस बी) के माध्यम से भारतीय सशस्त्र बलों में अधिकारी बनने के लिए आयोजित पाँच-दिवसीय चयन प्रक्रिया और उसमें शामिल व्यक्ति के गुणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

विभिन्न संगठनों ने डॉ. बृजपाल पप्पू को किया सम्मानित

भिवानी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष बृजपाल सिंह को सम्मानित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह मुजफ्फरनगर, किसान मजदूर संगठन के हरियाणा के अध्यक्ष विनोद राणा थंबड, किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कृष्णलाल मुजफ्फरनगर और स्वधर्म शोध संस्थान के अध्यक्ष कर्मबीर तिगड़ाना ने बृजपाल पप्पू को राजपूत प्रतिनिधि सभा भिवानी के अध्यक्ष चुने जाने पर उनके निवास स्थान खरक में जा कर सम्मानित किया।

हमेशा रहे तत्पर

ठाकुर पूरण सिंह ने डॉक्टर बृजपाल पप्पू को हरियाणा में किसान और मजदूर की आवाज बनने के लिये मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा क्षत्रिय का पहला कर्तव्य की वो किसान, मजदूर के हक, हकूक और अधिकारों दिलवाने के लिये हमेशा तत्पर रहे। विनोद राणा थंबड ने भी डॉक्टर बृजपाल पप्पू समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का सहयोग करने के लिये कहा। इस अवसर पर राजपूत प्रतिनिधि सभा दादरी के प्रधान गजेंद्र परमार बौंद, भरत परमार रानीला, तँवर खांप से नसीब तँवर सुंगरपुर, नवींन तंवर ठेकेदार तिगड़ाना, जयपाल तंवर लेधा, मंजीत तिगड़ाना, अभिषेक तंवर रामपूरा बलियाली, अनिल परमार आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसो. ने ज्वाइंट डायरेक्टर के साथ की बैठक

रेशनेलाइजेशन के नाम पर पद समाप्त करने की साजिश पर रोष

फील्ड कर्मियों का लगातार हो रहा शोषण, जल्द आंदोलन का ऐलान: सांगवान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन संबंध सर्व कर्मचारी संघ की 12 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षा सदन पंचकुला में ज्वाइंट डायरेक्टर के साथ वार्ता मीटिंग सम्पन्न हुई। मीटिंग के दौरान प्रांतीय प्रधान संदीप सांगवान ने मांगपत्र प्रस्तुत कर कर्मियों का पक्ष रखा। ऑनलाइन ट्रांसफर पर मंत्रीमंडल की मंजूरी के बाद संभावना व्यक्त की। सरकार व विभाग नई राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 लागू कर पदों को समाप्त करने की साजिश रच रहा है, जिसका लगातार विरोध जारी है। वहीं उन्होंने बताया कि रेशनेलाईजेशन का बहाना कर नए पद व पदोन्नति पर रोक लगाई जा रही है, जो कर्मचारी के साथ अन्याय हैं। उन्होंने अपनी मांगों का ज्ञापन डायरेक्टर व एसीएस के नाम भी सौंपा और कहा कि गत 9 मई को एसीएस के साथ हुई सहमति को भी अभी तक लागू नहीं किया है। सरकार व अफसरशाही लगातार फील्ड मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मियों का शोषण कर रही है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।आपसी विचार विमर्श उपरान्त प्रतिनिधिमंडल ने निर्णय लिया कि जल्द ही राज्य कमेटी की मीटिंग कर निर्णायक आन्दोलन का ऐलान किया जाएगा। प्रतिनिधिमण्डल में संदीप सांगवान, भूपेंद्र शर्मा, अनिता रानी, रमेश कम्बोज, अनिल सिंगला व सुशील कुमार आदि शामिल रहे।

भिवानी। ज्वाइंट डायरेक्टर से मुलाकात करते हेमसा के राज्य प्रधान संदीप सांगवान व अन्य।

विभाग में 50 प्रतिशत पदोन्नति पद खाली पड़े

सांगवान ने कहा कि विभाग में 50 प्रतिशत पदोन्नति पद खाली पड़े हैं। पदोन्नति के अभाव में फिल्ड मिनिस्ट्रियल स्टाफ कर्मी लगातार रिटायर हो रहे हैं। पदोन्नति पद खाली होने से कार्यरत कर्मियों पर लगातार वर्कलोड बढ़ता जा रहा है। सहायक, उपाधीक्षक पद पर पदोन्नति एक माह में करने का मात्र आश्वासन दिया गया है। सहायक के 20 प्रतिशत पदों पर रोक लगाकर पात्र कर्मियों को पदोन्नति से वंचित किया जा रहा है। एसीपी सहित अन्य लम्बित मामले पिछले दो साल से लम्बित पड़े हैं तथा कर्मियों को अपने बाजिब कामों के लिए भी डायरेक्टर दफ्तर के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अफसरशाही का इसऔर कोई ध्यान नहीं है। सरकार की रीढ़ कहलाने वाले मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कर्मी खुद को ठगा महसूस कर रहे है।